भाकृअनुप–केन्द्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर, कोलकाता में एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला आयोजन का प्रतिवेदन

हिन्दी कार्यशाला में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए प्रभारी, हिन्दी कक्ष, डा. एस.के. पाण्डेय

भाकृअनुप–केन्द्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर, कोलकाता की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में दिनांक 29 दिसम्बर, 2018 को संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए दैनिक सरकारी कार्यों में हिंदी के प्रयोग विषय पर एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दैनिक कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिंदी के सुगमतापूर्वक अधिकाधिक प्रयोग हेतु प्रशिक्षित करना था। कार्यशाला की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक, डा. जीबन मित्र जी ने की। इस अवसर पर उन्होंने सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपना दैनिक कार्यालयीन कार्य हिंदी में करने की अपील किया। इस अवसर पर संस्थान के डा. सुब्रत सतपथी, प्रभागाध्यक्ष, फसल सुरक्षा ने राजभाषा कार्यान्वयन व हिन्दी में कार्य हेतु सहज एवं सरल हिन्दी शब्दों का सफलता पूर्वक करने पर बल दिया।, डा. दिलीप कुमार कुण्डु प्रभागाध्यक्ष, फसल उत्पादन ने कहा कि हमारे देश में कई भषायें हैं, अनेक धर्म हैं, बहुत सी प्रजातियाँ हैं और संस्कृति के भी विभिन्न रूप दिखाई देते हैं। हम सबको अखिल भारतीय सम्पर्क के लिए एक सर्वमान्य भाषा को अपनाकर इस प्रकार विकास करना होगा जो हमारे देश की विभिन्न संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति कर सके एवं हमें अनेकता में एकता का दर्शन करा सके उस भाषा का नाम है हिंदी। डा. चन्दन सौरभ कर, प्रधान वैज्ञानिक, फसल सुधार ने अपने विचार व्यक्त करते हुए इस प्रकार के कार्यशाला के आयोजन पर बल दिया जिससे राजभाषा हिंदी में कार्यालयीन कार्य करने में कठिनाई तथा असुविधा ना हो। श्री पी.के. जैन, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ने राजभाषा हिंदी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसके अधिकतम प्रयोग पर बल दिया। साथ ही दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी के प्रयोग को आवश्यक बताते हुए इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला तथा कार्यशालाओं का आयोजन प्रत्येक तिमाही के नियत तिथि पर आयोजित करने पर बल दिया।

हिन्दी प्राध्यापक, श्री अदालत प्रसाद, हि.शि.यो., कोलकाता द्वारा प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान करते हुए

कार्यशाला में श्री अदालत प्रसाद, हिन्दी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार निजाम पैलेस, कोलकाता को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने उक्त कार्यशाला का आरम्भ पत्राचार के विभिन्न रूपों जैसे कार्यालय टिप्पणी, परिपत्र, कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश आदि तथा राजभाषा नीति के प्रमुख विन्दुओं पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी तथा अभ्यास भी कराया। अतएव यह कार्यशाला बहुत ही उपयोगी एवं उदेश्यपूर्ण रही।

डा. एस. के. पाण्डेय, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी हिन्दी कक्ष ने कहा कि राजभाषा हिन्दी में कार्य करने में कोई कठिनाई महसूस हो तो उसे हिन्दी कार्यशालाओं के माध्यम से दूर किया जा सकता है। उन्होंने राजभाषा विभाग द्वारा विनिर्दिश्ट नीति का पालन करते हुए कार्यशालाओं के माध्यम से हिन्दी के प्रचार–प्रसार पर बल देते हुए प्रशिक्षणार्थियों से अधिकाधिक कार्य हिन्दी में करने का आग्रह किया। हिन्दी कार्यशाला का सफल संचालन डा. सुरेन्द्र कुमार पाण्ड़ेय, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी, हिन्दी कक्ष ने श्री मनोज कुमार राय, सहायक के सहायोग से किया।

अंत में डा. सुनीति कुमार झा, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी, कृषि प्रसार के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।